MR. CHAIRMAN : Shrimati N.P. Durga. She is not present. Shrimati Prema Cariappa.

SHRIMATI PREMA CARIAPPA : Sir, I would like to know from the hon. Minister whether the Government has got any estimates of annual loss of crop due to insects and fungus.

SHRI AJIT SINGH : No, Sir. There is no such estimate. It varies from place to place, year to year and crop to crop. There is no record that this loss can be attributed only due to pests alone.

Prediction of Earthquake

*682. SHRI RUMANDLA RAAMACHANDRAYYA : †
SHRI K. RAMA MOHANA RAO :

Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state :

(a) whether a scientist of the Vikram Sarabhai Space Centre at Thiruvanantapuram in Kerala has claimed of developing a method of predicting earthquake a number of days in advance;

(b) if so, whether Government have ascertained facts about this invention;

(c) whether this would be utilised in earthquake-prone areas of the country; and

(d) If so, what are other details in this regard?

THE MINISTER OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (DR. MURLI MANOHAR JOSHI) : (a) No, Sir.

(b) to (d) Do not arise.

श्री रूमान्डला रामचन्द्रय्या: सभापति महोदय, सारे संसार में और भारत देश में इस काल में भूकम्प का बहुत वातावरण है, उसको रोकने के लिए एक···· (**व्यवधान**) ····

श्री सभापति: रोकने का सवाल ही नहीं है। जब भूकम्प के बारे में कोई भविष्यवाणी हुई ही नहीं तो रोकें कहां से ?

श्री रूमान्डला रामचन्द्रय्या: भविष्यवाणी नहीं है तो कम से कम उससे बचाने के लिए कोई यंत्र तैयार हो रहा है अपने देश में, यह मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछ रहा हूं ?

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Rumandla Raamachandrayya.

श्री सभापति : यह ठीक है।

डा० मुरली मनोहर जोशी : सभापति महोदय, भूकम्प की पूर्व भूमिका के आधार पर और पूर्वाभास के आधार पर अभी तक हम यह नहीं कह सकते, भविष्यवाणी नहीं कर सकते कि भूकम्प कब आएगा और किस जगह आएगा। केवल एक घटना हुई थी 1975 में चीन में जब उन्होंने भूकम्प को प्रिडिक्ट किया था लेकिन अगले ही साल 1976 में दूसरी जगह भूकम्प आया और उसमें लाखों लोग मर गए। अभी तक कोई ऐसा यंत्र नहीं है, कोई ऐसा विशिष्ट यंत्र नहीं है कि हमने यह यंत्र लगा दिया और पता लग जाएगा कि कल भूकम्प कहां आएगा। ऐसी कोई पद्धति न दुनिया में कहीं है और न भारत में है।

SHRI K. RAMA MOHANA RAO : Sir, I would like to know from the hon. Minister as to what the Earthquake Engineering School in Roorkee is doing with regard to the predictions of earthquakes in the country. I would also like to know the details of the Seismological Observatory Stations in southern India; and whether the Ministry is thinking of setting up more Seismological Observatories in southern India since majority of this area comes under the Moderate Damage Risk Zone.

डा० मुरली मनोहर जोशी : सभापति महादेय, अभी तक भूकम्प की दृष्टि से देश का जो सबसे खतरनाक हिस्सा है, वह हिमालयन क्षेत्र है। वहां हमने बहुत से स्थानों पर प्रयोगशालाएं और निरीक्षणशालाएं लगा दी हैं। भुज में, जहां बहुत बड़ा भूकम्प आया था, वहां भी यह किया गया है। साथ ही अनेक स्थानों के बारे में हम चयन कर रहे हैं क्योंकि पिछले दिनों में देश का जो भूकम्पीय नक्शा था, उस नक्शे का क्षेत्रफल बदल गया है। कुछ ऐसे क्षेत्र जो पहले ज्यादा खतरनाक थे, वे दूसरी तरफ चले गए हैं, जो कम खतरनाक थे, वे इस तरफ आ गए हैं। उसको ध्यान में रखते हुए हमारा वैज्ञानिक विभाग ऐसी प्रयोगशालाओं के निर्माण की बात कर रहा है। करीब 200 एरियाज ऐसे हैं जिनका हम अपने डिपार्टमेंट की तरफ से निरीक्षण करते हैं और हिमालयन रीजन में तो निरीक्षणशालाएं हमने लगा ही रखी हैं और जहां भी इसकी आवश्यकता होगी, हम करेंगे। रुड़की विश्वविद्यालय में भी भूकम्प से बचाव का अध्ययन होता है। प्रिडिक्शंस के बारे में तो आज तक कहीं कोई पद्धति नहीं है। हमने यह तय किया है कि गुजरात में हम एक बड़ा संस्थान बनाएंगे जो भूकम्प के बारे में विशेष रूप से अध्ययन करेगा और हमने यह भी कर दिया है कि इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय के अंदर भूकम्प से संबंधित पढ़ाई अनिवार्य कर दी है ताकि आगे जो मकान बनें, उनमें भूकम्प से रक्षा का प्रबंध हो सके।

DR. ALLADI P. RAJKUMAR : Sir, where are these 200 earthquake-prone areas located? I would request the hon. Minister to circulate a list of these areas to all the Members.

श्री सभापति : वह सर्कुलेट करवा देंगे। आप मंत्री जी से मांग लीजिए, हाउस का समय क्यों वेस्ट करते हैं।

स्वाधार योजना के अंतर्गत लाभान्वित महिलाएं

* 683. **डा० ए०के० पटेल :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कठिन परिस्थितियों में रहने वाली महिलाओं के लिए "स्वाधार योजना" के अंतर्गत कितनी महिलाओं को लाभ मिला;

(ख) तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या इस तथ्य की जांच की गई है कि महिलाओं को मिलने वाला लाभ उन्हें उचित रूप से मिल रहा है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (डा० मुरली मनोहर जोशी) : (क) से (ग) विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

यह स्कीम वर्ष 2001-02 में चलाई गई थी, इसलिए एक परियोजना वर्ष 2001-02 में तथा 21 परियोजनाएं वर्ष 2002-03 में स्वीकृत की गईं। इनमें से एक परियोजना केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड को, 8 परियोजनाएं राज्य सरकारों को तथा 13 राज्य सरकारों द्वारा अनुशंसित स्वैच्छिक संगठनों को संस्वीकृत की गईं। ब्यौरा विवरण-I में दिया गया है (**नीचे देखिए**)। लगभग 3000 महिलाओं के प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होने की सम्भावना है।

प्रत्येक स्कीम में उपबंधित जांच एवं अनुवीक्षण तंत्रों के अलावा, इस स्कीम में अभिप्रेत लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने हेतु किये गये कुछ अतिरिक्त सुरक्षोपाय इस प्रकार हैं:

(i) राज्य सरकारों से कोई भी प्रस्ताव उच्च-स्तरीय समिति में विचारोपरान्त ही भेजना अपेक्षित है, ताकि कार्यान्वयनकर्ता संगठन का पूर्ववृत्त सुनिश्चित किया जा सके, पुलिस, कल्याण, स्वास्थ्य जैसे विभिन्न अभिकरणों के साथ आवश्यक सम्पर्क सुनिश्चित किये जा सकें और इसमें विभिन्न घटकों का समावेश हो। यह उच्च-स्तरीय समिति परियोजना के कार्यान्वयन का अनुवीक्षण भी करेगी।

(ii) राज्य की परियोजनाओं पर विचार किये जाने से पूर्व राज्य सचिव द्वारा परियोजना के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण किया जाना अपेक्षित है।